भारत – किरीबाटी संबंध

किरीबाटी के भारत के संबंध सौहार्दपूर्ण एवं सहयोगपूर्ण हैं। भारत के कुछ विशेषज्ञों ने अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के अधीन किरीबाटी में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं तथा भारत के लिए सद्भाव अर्जित किया है। किरीबाटी का समवर्ती प्रत्यायन अक्टूबर, 2011 में भारतीय उच्चायोग, सुवा को हस्तांतरित किया गया। इससे पूर्व वेलिंगटन स्थित उच्चायोग को सितंबर, 1992 से किरीबाटी का समवर्ती रूप से कार्य सौंपा जाता था।

दोनों देश समान उपनिवेशिक अनुभवों तथा राष्ट्रमंडल की सदस्यता के माध्यम से एक साथ बंधे हुए हैं। किरीबाटी के कुछ नागरिकों को आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत भारत में प्रशिक्षण दिया गया है। भारत ने मार्च, 2006 में टुंगारू केंद्रीय अस्पताल पुनर्वास केंद्र को 15982.39 आस्ट्रेलियाई डालर मूल्य के प्रोस्थेटिक एवं आर्थोटिक कंपोनेंट एवं सामग्रियों को दान में दिया। फरवरी, 2008 में, भारत ने सरकारी प्रिंटिंग प्रेस के उन्नयन के लिए 136,207.18 आस्ट्रेलियाई डालर का सहायता अनुदान प्रदान किया। जून, 2009 में भारत ने 500 किलोवाट का जेनरेटर खरीदने तथा किरीमाटी द्वीप में पुराने जेनरेटरों को प्रतिस्थापित करने के लिए ओवरहेड केबल के वित्त पोषण के लिए किरीबाटी सरकार को 315546 आस्ट्रेलियाई डालर का सहायता अनुदान प्रदान किया। दिसंबर, 2012 में, भारत ने चेरी पिकर ट्रक खरीदने के लिए 25,135 अमरीकी डालर का सहायता अनुदान तथा वार्षिक अनुदान के तहत तीन क्लीनिक के जीर्णोद्धार के लिए 1,34,502 अमरीकी डालर का सहायता अनुदान प्रदान किया।

समुदायों में बच्चों के लिए कंप्यूटर लगाने की 'होल इन द वाल' परियोजना के कार्यान्वयन के लिए किरीबाटी को चुना गया है।

किरीबाटी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए हमारी उम्मीदवारी का समर्थन करता है। किरीबाटी ने वर्ष 2005 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार पर जी-4 संकल्प को सह प्रायोजित किया था।

किरीबाटी द्वारा आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए वर्ष 2011-12 में 5 स्लॉटों का तथा वर्ष 2012-13 में 4 स्लॉटों का उपयोग किया गया। वर्ष 2014 - 15 में किरीबाटी को 6 स्लॉट प्रदान किए गए। वर्ष 2015-16 के लिए किरीबाटी को कुल 10 स्लॉटों की पेशकश की गई है। किरीबाटी के दो राजनयिकों ने मई, 2015 में नाडी, फिजी में विदेश सेवा संस्थान द्वारा प्रशांत द्वीप के देशों के राजनयिकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया।

किरीबाटी सरकार के माननीय वित्त एवं आर्थिक विकास मंत्री श्री नाटन तीवी के नेतृत्व में श्री टेरिएटा एमवेमवेनिकिएकी, उप सचिव, विदेश एवं उत्प्रवास मंत्रालय ने फरवरी, 2011 में नई दिल्ली में "सबसे कम विकसित देशों के विकास के लिए दक्षिण – दक्षिण सहयोग के लिए सकारात्मक योगदान प्राप्त करना" पर मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लिया।

किरीबाटी के राष्ट्रपति अनोटे टोंग ने टेरी द्वारा आयोजित 12वीं दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 1 से 3 फरवरी, 2012 के दौरान नई दिल्ली का दौरा किया। राष्ट्रपति अनोते टोंग ने पुन: टेरी द्वारा आयोजित दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक (डी एस डी एस) में भाग लेने के 31 जनवरी से 2 फरवरी, 2013 के दौरान नई दिल्ली का दौरा किया।

उप राष्ट्रपति श्री तैमा ओनेरियो के नेतृत्व में किरीबाटी के शिष्टमंडल ने 23 से 25 अक्टूबर, 2013 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित एशिया एवं प्रशांत में बाल अधिकारों के लिए दक्षिण – दक्षिण सहयोग पर दूसरी उच्च स्तरीय बैठक (एच एल एम) के सिलसिले में भारत का दौरा किया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर, 2014 को फिजी की अपनी यात्रा के दौरान सुवा (फिजी) में भारत - प्रशांत द्वीपीय देश मंच (एफ आई पी आई सी) शिखर बैठक का आयोजन किया जिसमें 14 प्रशांत देशों ने हिस्सा लिया। किरीबाटी के शिष्टमंडल का नेतृत्व राष्ट्रपति अनोते टोंग द्वारा किया गया। प्रशांत क्षेत्र के देशों (जिसमें किरीबाटी भी शामिल है) के संबंध में 19 नवंबर, 2014 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा जो घोषणाएं की गई उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : (i) 1 मिलियन डालर के एक विशेष अनुकूलन कोष का गठन, (ii) टेली - मेडिसीन एवं टेली - एजुकेशन के लिए अखिल प्रशांत द्वीप परियोजना का विकास, (iii) प्रशांत द्वीप के देशों - कुक द्वीप समूहों, किंगडम ऑफ टोंगा, टुवालु, नौरू गणराज्य, किरिबाटी गणराज्य, वनौतू सोलोमन द्वीप समूह, समोया, नीयू, पलायू गणराज्य, माइक्रोनेशिया संघीय गणराज्य, मार्शल द्वीप गणराज्य, फिजी, पपुआ न्यू गिनिया के लिए आगमन पर भारतीय वीजा, (iv) प्रशांत द्वीप के देशों के लिए प्रति वर्ष सहायता अनुदान को बढ़ाकर 2,00,000 डालर करना जिसे हमारे विकास सहयोग के लिए एक व्यापक क्षेत्र प्रदान करने के लिए शुरू किया जाएगा, (v) भारत में प्रशांत द्वीप मंच के देशों के लिए व्यापार कार्यालय की स्थापना, (vi) आई टी पी ओ द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों के दौरान प्रशांत द्वीप मंच के देशों के लिए कंप्लीमेंटरी स्पेस प्रदान करना, (vii) कृषि, स्वास्थ्य देखरेख एवं आईटी जैसे क्षेत्रों सहित अनेक क्षेत्रों में प्रशांत द्वीप के देशों में आई टी ई सी विशेषज्ञों की प्रतिनियुक्ति, (viii) प्रशांत द्वीप के देशों के राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन करना, (ix) प्रशांत द्वीप के देशों के लिए विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम शुरू करना, (x) 2015 में भारत में प्रशांत द्वीप के देशों एवं भारत के नेताओं की अगली शिखर बैठक का आयोजन करना, (xi) लोगों के जीवन की गुणवत्ता एवं संचार की सुविधाओं में सुधार के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अप्लीकेशन के प्रयोग में सहयोग, (xii) जलवायु परिवर्तन की निगरानी, आपदा जोखिम कटौती तथा प्रबंधन एवं संसाधन प्रबंधन के लिए डाटा की हिस्सेदारी की संभावनाओं का पता लगाना और (xiii) परंपरागत दवाओं में संयुक्त अनुसंधान करना; इस क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए स्वास्थ्य देखरेख की सुविधाएं विकसित करना।

21 जून 2015 को किराबाटी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

21 अगस्त, 2015 को जयपुर में आयोजित भारत - प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (एफ आई पी आई सी) की दूसरी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए एशिया पर सलाहकार टीकोआ लुटा के नेतृत्व में किरीबाटी के एक शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, सुवा की वेबसाइट :
http://www.indianhighcommissionfiji.org
भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiainFiji
भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/ICCHighcomindSuva

***

जनवरी, 2016